अपनी बात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 490 वर्ष 39

राँची, अप्रैल, 2015

सी.सी.एल. का समग्र विकास

कोयला कर्मी कोयले का उत्पादन करते हुए

सी.सी.एल., का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है, अपने उन्हीं कर्मियों और संसाधनों से वर्ष 2013–14 में कोयला उत्पादन में 4.1% की वृद्धि दर्ज की और वित्तीय वर्ष 2014–15 में कोयला उत्पादन में 11.2% की वृद्धि कर उपलब्धि प्राप्त की है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2014–15 में 55.64 मिलियन टन कोयला उत्पादन कर एक नया कीर्तिमान बनाया है।

कंपनी ने 2014–15 में कोयला उत्पादन में 11.2% तथा ओवर बर्डेन निकासी में 97.37 मिलियन क्यूबिक मीटर कर 65% की वृद्धि दर्ज की है।

कोयला प्रेषण : वित्तीय वर्ष 2014–15 में कंपनी ने अभी तक का सर्वाधिक 55.34 मिलियन टन कोयले का प्रेषण किया है। कंपनी ने कोयला प्रेषण के क्षेत्र में 6.2% की वृद्धि दर्ज की है, जो एक शानदार उपलब्धि और कीर्तिमान है।

ग्रीनफील्ड प्रोजेक्टस : विगत दो वर्षों (2013–14, 2014–15) में 06 ग्रीनफील्ड प्रोजेक्टस जिसकी क्षमता 40 मिलियन टन क्षमता है (भविष्य में 100 मिलियन टन तक विस्तारित होगी), स्थापित की जा चुंकी है, जो कोयला उद्योग में अद्वितीय है।

वाशरियों का आधुनिकीकरण एवं निर्माण : वाशरियों के आधुनिकीकरण के कारण धुले कोयले के उत्पादन में 2013–14 में 9.6% की वृद्धि तथा वर्ष 2014–15 में 21.4% की वृद्धि दर्ज की गई है।

तीन नई वाशरियों की स्थापना हेतु कार्य प्रगति पर है। सी.सी.एल. वृहद स्तर पर निगमित समाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) का कार्य भी कर रही है। "स्वच्छ विद्यालय अभियान" मिशन के तहत् सी.सी.एल. झारखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उड़िसा में एन.बी.सी.सी. के साथ समझौता कर 6306 स्कूलों में 9874 शौचालयों का निर्माण करा रही है।

सी.सी.एल. ने भुरकुन्डा में आई.टी.आई. की स्थापना की है जहाँ परियोजना प्रभावित परिवार के 20 बच्चों को इलेक्ट्रीशियन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 50 अन्य लोगों को इसी प्रकार 06 महीने का इलेक्ट्रीशियन और वेल्डर्स का प्रशिक्षण मल्टी स्किल डेवलपमेंट सेंटर, बरकाकाना में दिया जा रहा है।

अपने कमांड क्षेत्र के 26 मेघावी बच्चों की डी.ए.वी. गांधीनगर में कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं में सी.सी.एल. द्वारा निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की गई है जिससे देश के ख्याति प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज में इनका दाखिला हो सके।

इसके अलावा बहुत सारे ग्रामीण स्कूलों को सी.सी.एल. आधारभुत एवं अन्य सहायता प्रदान करता हैं जिसके अंतर्गत संत जोसेफ स्कूल, मंडेर (पिपरवार) में 78 ड्रॉप आउट बच्चों की निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था भी की गई है।

सी.सी.एल. "चक दे झारखंड" के तहत 5 ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर खेल–कूद को बढ़ावा दे रहा है। सी.सी.एल. के कमांड क्षेत्र में 250 फुटबॉल टीमों का गठन किया गया है।

स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण (2014–15) :

(1) 245 ग्रामीणों को मोटर चालन का प्रशिक्षण दिया गया है।

(2) आई.सी.ए.आर. पलाण्डू में रजरप्पा के 100 ग्रामीणों को उन्नत कृषि तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया है।

(3) महिलाओं को सिलाई–कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग आदि का प्रशिक्षण दिया गया है।

सीएमडी "झारखंड रत्न" से सम्मानित

सीएमडी श्री गोपाल सिंह "झारखंड रत्न" का सम्मान प्राप्त करते हुए

हमारे अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री गोपाल सिंह को विगत 04 अप्रैल, 2015 को नई दिल्ली के कंस्टीट्युशन क्लब ऑफ इंडिया में लोक सेवा समिति, झारखंड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में "झारखंड रत्न" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रोफेसर भीम सिंह, पूर्व मंत्री जम्मू कश्मीर द्वारा प्रदान किया गया। श्री गोपाल सिंह के नेतृत्व में सी.सी.एल. ने पिछले वित्तीय वर्ष 2014–15 में 55.64 मिलियन टन कोयले का उत्पादन कर एक नया कीर्तिमान बनाया है। साथ ही सी.सी.एल. ने कोयला उत्पादन में 11.2% तथा ओवर बर्डेन निकासी में 97.37 मिलियन क्यूबिक मीटर कर 65% वृद्धि दर्ज की है, जो एक विशेष उपलब्धि है। **"अपनी बात" की ओर से हार्दिक बधाई।**

28वीं त्रिपक्षीय खान सुरक्षा समिति की बैठक

विगत 08 अप्रैल को "विचार मंच" में श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह, पूर्व मंत्री, झारखंड तथा सदस्य त्रिपक्षीय खान सुरक्षा की अध्यक्षता में 28वीं त्रिपक्षीय खान सुरक्षा समिति की बैठक हुई। सी.एम.डी., सी.सी.एल., श्री गोपाल सिंह तथा खान सुरक्षा महानिदेशालय (डी.जी.एम.एस.) के उप–महानिदेशक (खान सुरक्षा), मुख्यालय धनबाद, श्री पी. रंगनाथेश्वर, खान महानिदेशालय के अधिकारीगण तथा पांचों केंद्रीय श्रमिक संघों के त्रिपक्षीय खान सुरक्षा समिति के सदस्यगणों ने खान सुरक्षा के विभिन्न विषयों पर सुधार हेतु विस्तार से विचार–विर्मश किया। बैठक में अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि खान सुरक्षा हम सभी की पहली प्राथमिकता है।

सी.एम.डी. श्री गोपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि त्रिपक्षीय खान सुरक्षा समिति खदान की सुरक्षा हेतु कंपनी का उच्चतम फोरम है। श्री सिंह ने कार्यवृत (ए.टी.आर.) के प्रत्येक बिन्दुओं की समीक्षा की तथा उसपर अमल लाने हेतु दिशा–निर्देश दिए।

श्री पी. रंगनाथेश्वर, उप–महानिदेशक(खान सुरक्षा) ने सर्वप्रथम वित्तीय वर्ष 2014–15 में सी.सी.एल. द्वारा 55.64 मिलियन टन कोयला उत्पादन करने के अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए सी.एम.डी., श्री गोपाल सिंह और उनकी टीम को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि डी.जी.एम.एस. की ओर से सी.सी.एल. को हमेशा सहयोग मिलता रहेगा।

सीएमडी श्री गोपाल सिंह बैठक को संबोधित करते हुए

निदेशक(तकनीकी/संचालन), श्री प्रदीप कुमार तिवारी ने कहा कि सी.सी.एल. खान सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखता है और खान सुरक्षा में बढोत्तरी हुई है। श्री तिवारी ने कहा सेफ माईन इज द मोस्ट प्रोडक्टिव माईन। उन्होंने मशीनों को दुरूस्त रखने का भी निर्देश दिया।

डी.जी.एम.एस. के अधिकारियों, श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों एवं सी.सी.एल. के क्षेत्रिय महाप्रबंधकों ने भी खान सुरक्षा पर अपने–अपने विचार रखे। बैठक में श्री सुमित कुमार घोष, मुख्य महाप्रबंधक(सुरक्षा व बचाव) ने पावर प्वाइंट के माध्यम से सी.सी.एल. के सुरक्षा पर हो रही विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

जन–आरोग्य केंद्र–जरूरतमंदों का निःशुल्क ईलाज

सी.सी.एल. गांधीनगर, रांची में अवस्थित जन–आरोग्य केंद्र स्वास्थ्य के क्षेत्र में सी.एम.डी. श्री गोपाल सिंह की एक विशेष पहल है।

जन–आरोग्य केंद्र सी.सी.एल. द्वारा संचालित एक ऐसा अस्पताल है, जिसमें जरूरतमंद कमांड क्षेत्रों के आसपास के निवासीयों के निःशुल्क चिकित्सीय सलाह, दवा एवं सम्पूर्ण ईलाज की व्यवस्था की गई है। जन–आरोग्य केंद्र में 2013 से लेकर अब तक 2994 मरीजों का ईलाज हो चुका है।

सी.सी.एल. अन्य बीमारियों से संबंधित विशेष चिकित्सीय शिविरों जैसे–आँख, कान, नाक, गला, कैंसर, अलग तरह से सक्षमता, मधुमेह, उच्च रक्तचाप आदि का आयोजन समय–समय पर करता रहा है।

सी.एस.आर. कार्यक्रम के तहत् ओल्ड एज होम बरियातु, चेशायर होम, बरियातु एवं ब्रज किशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय, बरियातु में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कराया जाता है। गॉवों और स्कूलों में भी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन बराबर किया जाता है। इसके अतिरिक्त सी.सी.एल. ने सभी क्षेत्रों में कुल मिलाकर 60 गॉवों को गोद लिया है, जिनकी चिकित्सीय व्यवस्था क्षेत्रीय अस्पतालों, जन–आरोग्य केंद्र, रांची केंद्रीय अस्पताल गांधीनगर द्वारा की जाती है।

सम्पादक : दीपक कुमार, प्रबंधक (जनसम्पर्क) जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : जयेश रावल, जनसम्पर्क सहायक, सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित एवं सीसीएल प्रेस, राँची में मुद्रित। (आंतरिक वितरण हेतु)